लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

जलवायु परिवर्तन पर लोकसभा अध्यक्ष ने की चिंता व्यक्त

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाये एवं जल बचाये-लोकसभा अध्यक्ष

जलशक्ति अभियान में दशहरा मैदान में रौंपे 150 पौधे

कोटा 21 जुलाई: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का विश्वभर में व्यापक प्रभाव पड़ रहा है, इसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर पर्यावरण संरक्षण में देश के 130 करोड़ नागरिकों को भागीदार बनना होगा। उन्होंने कहा कि पौधा रोपण एवं जल संरक्षण को जन आन्दोलन का रूप देकर हम जलवायु परिवर्तन को रोकने में विश्व में अग्रणी बन सकते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष रविवार को जलशक्ति अभियान के तहत नगर निगम कोटा द्वारा ऐतिहासिक दशहरा मैदान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन सम आज सम्पूर्ण विश्व चिंतित है ऋतु परिवर्तन के कारण जीवन पर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में आदिकाल से पर्यावरण संरक्षण की परम्परा रही है इसे जीवंत बनाये रखकर हमें जीव-जन्तु की सुरक्षा व पेड-पौधों की पूजा का महत्व बताते हुए आने वाली पीढियों के लिए जल, जमीन एवं जंगल को बचाना होगा। उन्होंने कहा कि देश में आज कहीं बाढ आ रही है तो कही कम वर्षा के कारण सूखा पड़ रहा है। जीव-जन्तु का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। इन सबसे बचने के लिए जल संरक्षण एवं पौधे लगाकर उसको सहेजने की आदत प्रत्येक नागरिक को विकसित करनी होगी।

श्री बिरला ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल शक्ति अभियान को देशभर के सभी राज्यों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे आमजन में जल संरक्षण के लिए जागृति आयेगी तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण भी होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक जीवन में प्रतिवर्ष पौधे लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी ले तो 130 करोड़ जनता की बदौलत भारत जलवायु परिर्तन को रोकने में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आव्हान किया कि हर गांव में पीने के लिए स्वच्छ जल मिले इसके लिए सतही जल, वर्षा जल का संरक्षण किया जाकर गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने के लिए केन्द्र सरकार जल शक्ति अभियान लाई है इसमें सभी नागरिक सहयोगी बने।

कोटा बने हरा-भरा- लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटा शहर को हरा भरा बनाकर देशभर में अनुकरणीय स्थिति में लाने के प्रयास किये जायेगें। इसके लिए देश के प्रसिद्व उद्यानिकी विशेषज्ञों से सलाह लेकर यहां के पर्यावरण के अनुकुल पौधे लगाये जायेगे। उन्होंने कहा कि कोटा सबसे सुन्दर और हरा-भरा शहर बने इसके लिए पौधे लगाने के अभियान को जन-

जन का आन्दोलन बनाया जाकर सभी विभिन्न संगठनों को भी भागीदार बनाया जायेगा। महापौर महेश विजय ने स्वागत करते हुए कहा कि ऐतिहासिक दशहरा मैदान को नयारूप दिया गया है इये हरा-भरा बनाने कि शुरूआत 20 वर्ष पूर्व की गई थी इसे आगे बढाना है। उन्होंने जल शक्ति अभियान के तहत किये जाने वाले कार्यो एवं निशुल्क पौधा वितरण की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में पर्यावरणविद गीता दाधीच, एलेन कोचिंग संस्थान के निदेशक राजेश महेश्वरी का कोटा को हराभरा बनाने में दिये गये योगदान पर शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। समारोह के बाद लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में ऐतिहासिक दशहरा मैदान में आम नागरिकों द्वारा 150 पौधे लगाये गये एवं 550 पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विधायक ,श्री मदन दिलावर, संदीप शर्मा, श्रीमती कल्पना देवी, पूर्व मंत्री श्री प्रभुलाल सैनी, संभागीय आयुक्त एलएन सोनी, जिला कलक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल, उप महापौर सुनिता व्यास, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष अनिल सुवालका सहित जनप्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

Lok Sabha Speaker expresses concern over environmental change. 'For environmental protection, plant trees and save water' during Jalshakti Abhiyan plants more than 150 trees in Dussehra Ground in Kota

Kota 21 July 2019: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today addressed a gathering at the historic Dussehra Ground, Kota during a plantation drive organised by the Municipal Council, Kota under the aegis of the Jal Shakti Abhiyan. He said that environmental change is impacting lives across the world and accepting this as a challenge we have to engage our 130 crore citizens to address the issue of environmental change and work in tandem for environmental protection.

He pointed out that by planting trees and saving water in a mission mode we can lead the world in environmental protection. Societies across the world are affected by the changing environment and climate change is impacting lives across the world. Shri Om Birla said that India had a tradition of protecting the environment and we have to continue this tradition and save our flora and fauna. By continuing our tradition of treating plants and animals as sacred and by teaching such traditions to the younger generations, we have to continue this tradition of environmental protection. Every person has to cultivate this habit of protecting the environment by planting trees and saving water.

Lauding the Jal Shakti Abhiyan of the Government of India, Shri Om Birla pointed out that mission would go a long way in promoting environmental protection among citizens across the country and also encourage people to plant trees and save water. He mentioned that the

Government had come up with the Jal Shakti Abhiyan so that people in our villages could receive clean drinking water. To achieve this, the mission promotes rainwater harvesting to increase the water level in the villages and lays emphasis on the involvement of the people in the villages. Shri Om Birla urged upon the people of Kota to make the city green. He said that scientists from across the country would be consulted and trees and plants that are favourable to the climate of Kota would be planted across the city. To make the city the greenest and the cleanest in the country, proactive involvement of the people, Civic agencies and other stakeholders is necessary.

Speaking earlier on the occasion Mayor, Mahesh Vijay, while welcoming the Speaker, Lok Sabha said that efforts to make the historic Dussehra Ground green were initiated 20 years ago and we have to continue the efforts. He pointed out the significance of the Jal Shakti Abhiyan and the programme of distribution of free of cost plants to the people of Kota.

During the programme, under the leadership of Lok Sabha Speaker, 150 plants were planted in the ground and 550 plants were distributed among the people. The programme was attended by many members of the Rajasthan Legislative Assembly, former Ministers in the Rajasthan Government, District Collector and other prominent citizens of Kota.